

कृषि विज्ञान केन्द्र की तकनीक किसान के खेत तक पहुंचे

लूणकरनसर @ पत्रिका यहां राष्ट्रीय राजमार्ग-62 स्थित लूणकरनसर के कृषि विज्ञान केन्द्र पर मंगलवार को वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक का आयोजन स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की प्रसार शिक्षा निदेशालय की निदेशक डॉ. दीपाली धवन की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ. धवन ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र की उन्नत तकनीक किसान के खेत तक पहुंचे। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों को प्रयास करना चाहिए। इससे ही कृषि उत्पादन में इजाफा होगा तथा इससे किसान अधिक समृद्ध होगा। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स को भी



वर्मी कम्पोस्ट और नर्सरी यूनिट तैयार कराने की सलाह दी। कृषि विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजेश कुमार शिवरान ने वार्षिक प्रगति रिपोर्ट समेत कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों से अवगत करवाया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रिय निदेशक डॉ. भूपेन्द्र सिंह शेखावत ने पार्टिसिपेटरी सीड प्रोडक्शन पर जोर देने तथा एफपीओ से जुड़ने की सलाह

दी। कृषि ग्राह्य परीक्षण केन्द्र लूणकरनसर के उप निदेशक डॉ. जगदीश चंद्र मेघवंशी ने कृषि विज्ञान केन्द्र पर आईएफएस मॉडल स्थापित होना चाहिए। खाजूवाला के प्रगतिशील किसान जसविन्दर सिंह ने मोठ की नई किस्म एवं उनके बीज उत्पादन पर जोर दिया। सलाहकार समिति की बैठक में विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी समेत प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।